THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO. MBB—1971—91-98

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT MBB

MBB - 1971 - 91
1. Film strip number

30
2. Source

KRSNA VAJRAPĀDĀNĀM DOHA KOŚASYA ṬĪKĀ
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPĀLĪ PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

ANCIENT NEVĀRĪ and BHUJIMOLA
8. Script

6 cm. x 30 cm.
9. Size

7
10. Lines to a page

31
11. Number of leaves in complete work

1st to 13
12. Missing leaves

AMṚTAVAJRA
13. Author and Date of composition (if given)

x
14. Number of Chapters

This is very important commentary on Dohā kośa of Kṛṣṇavajrapāda. To study the Prākṛta language this kinds of commentary is very useful. Beginning pages are missed but following the slāṃza of Dohākośa this text is not uncomplete, however, here the prākṛit is not quoted. For next month, I am trying to get another complete text with prākṛta and commentary. Last two pages are anyoga of Kṛṣṇavajrapāda.

15. Remarks

December 8, 1971.
Date photographed

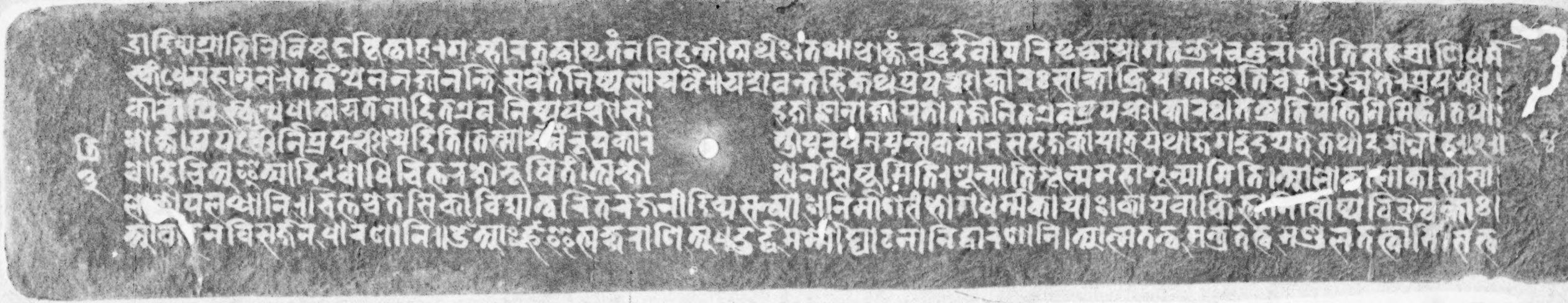

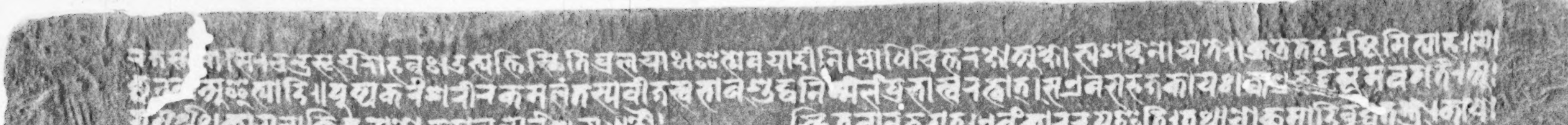

॥ ० ॥

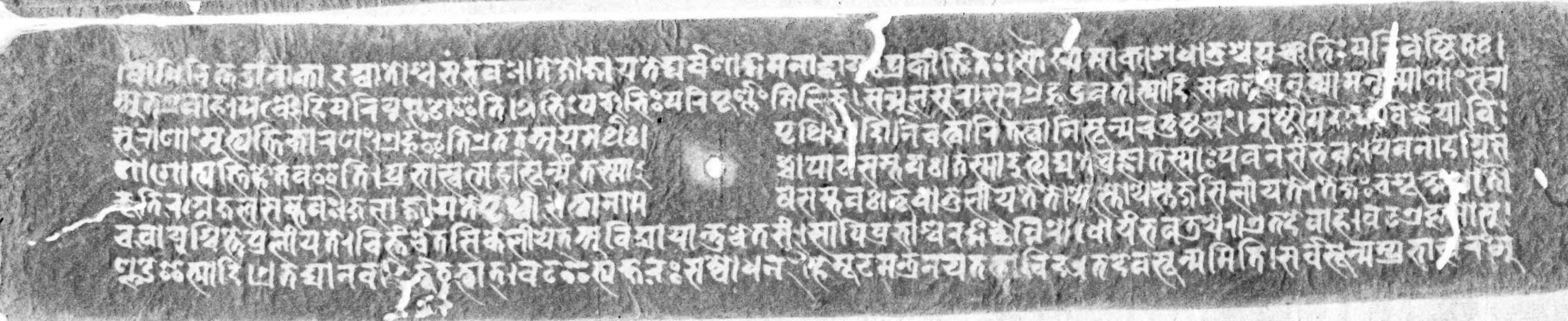

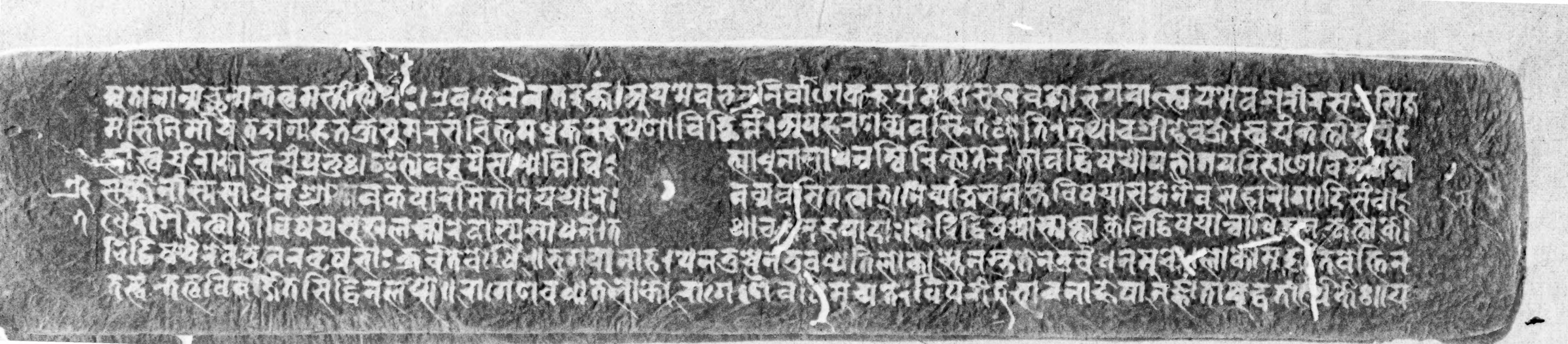

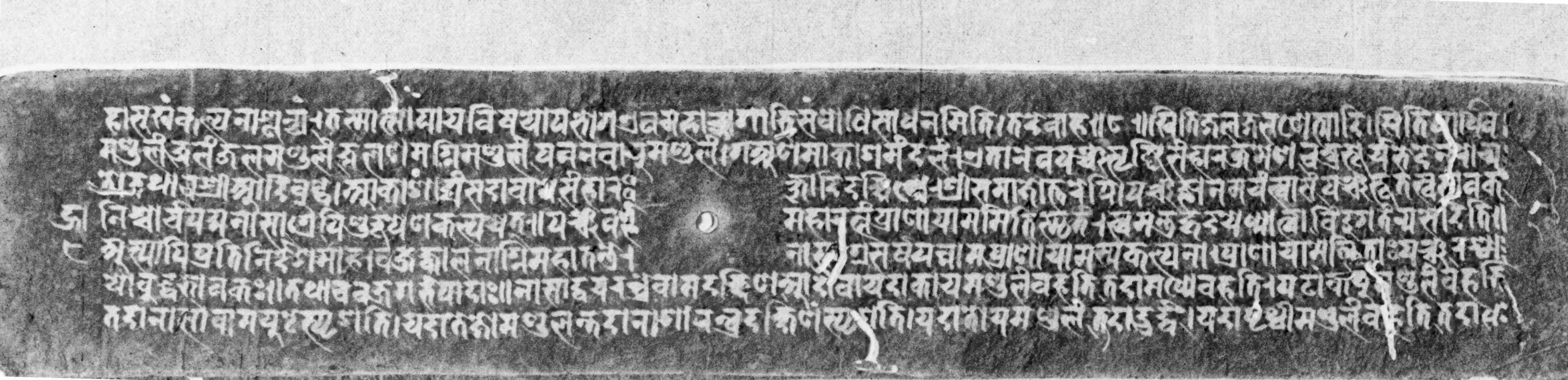

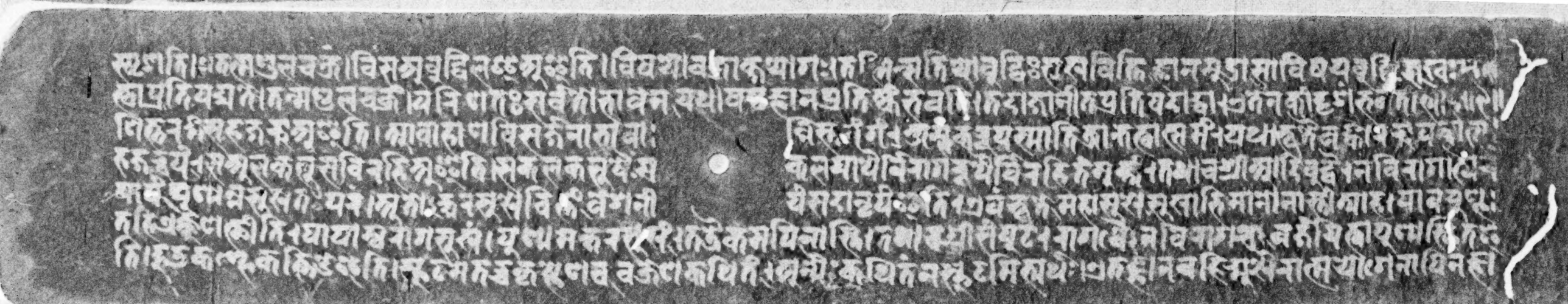

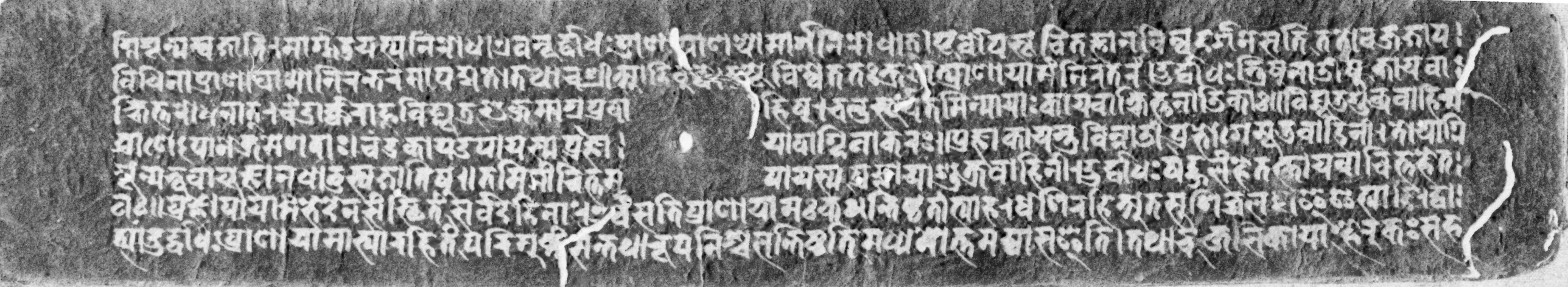

विवि कं ध्रिय कः स्मिचितिद्र ईनि न घन लि ध्वन श सगुवम्भी सुव न । तत सम म लम्ब्र क्र म ल वहुनी त म ष्ठा न्द्र यी वा डी द क्षि ण मार्ग श्च अवित मल
प्रज म ण व द मी ति वित म ध ब्र ह्मुवा ही वि स न्मा मि थान मो वि स्म न्मा सु रु य मा मे युक्त न मन सा वि श्लन वा हुना म नि णम यति व्य व सी कमे
ति ः प्रवं न ज्ञाना त्यव त्य र्थेष्ठ प्रवं द हृ क मना न व्व हृ न म नि ति वन्तु स्तु यी या द्व द नी ति सम विषम सत्वा नाः वि ह्वान वा ते ः ड कि वन्त
ली ः घ नन्कद्वि खवं न प्राप्ता नि । मि न प्रव न क णः ॐ वी घू ः ॐ या दि । क णि ति ज घू व ज ष्ठा इ ४ ष न वि वा ग द गा व व स म ह्वी न व ज्ञा वा ली क ली
ॐ ति इ ली कः सर्व ष्ण न्या ला क स्तु वी वा व स म ता ल दु स ना व गा ह ना लन्त हु य व ॐ नि इ न व गा ह्या न म न व ल दृ ष्ठा की व न ला य ति सा व य ति
के श्य न की स्ता ना भि त्या ह ग । गा था स घ्व म्रः ॐ ना दि । य ं स म्य क्र ज्ञा लि गा हू सी या ल्वे न मना ं व न ल स्ति न न यथा थी व द य ति म या ह त म न न ला सत
ग र ति म नू क न व सं क ना नी ति न वी मना र तं ः हि वि ह्वी क था व श्री स मा ज्र र ह गे लि मं प्र ति ष्ठा प्य वा षि वि ल स्र वा ल्ह ज रू सा व य द क्ष वि श्व क्ष्ट

यथुयावसमनक्ति थिवंविलस्पयष्ठ लनमावग्रकतेय [illegible] काश्वविहश्वकिमयिन क्रियातेप्रताहुकोधसकत्यथकिमयिनसायमहः यथेधाग्रक [illegible] वाहनालेला
ग्वेकावनडुस्याहियतोहगण [illegible] कावथवृहथवृतीतथसकलप्रवीकाथविश्वमगेवकरयेनविधेकाहयसाग [illegible] किंहतीसानिमाहाथमीव [illegible] होशकि
किनवमीथकि लेपावाहायतनादीनागकनवुवीरढासेन सापूथसीवायनेा।तिमयकपवधवसः।तिनिकयरोप्रिलवजसी [illegible]
नभपतनालिक्रितस्थेवतस्यारयलाहायनःसावभाकुम मारुनो२ नादक मवणगमवरावावसँ यवलमस्यवाणनायधानेनमवकुर्वे [illegible]
यस्हिरमकुईनलसीपठीकानले वंडस्थयेमयि निथाव थकियनाानिष्याग्रत।तिकोयवन्वनकतवधानकाहायास तिरसादिहसि
न्थायानावकानेउसहृयाढानकसमापवीनश्चा [illegible] हनाहननायाथमीथन एवमहासरवत्रकागहोहीयंःसथमादि निमितः क्रियतसदियाका
तेनतथावश्रारमादनतिनावव्जगानविलानिमि [illegible] गहसायतेविनत्नमनवामवे [illegible] थार पक्रिगवयशेङसर्पुस्रहिनवनी सग्रवानाहक।

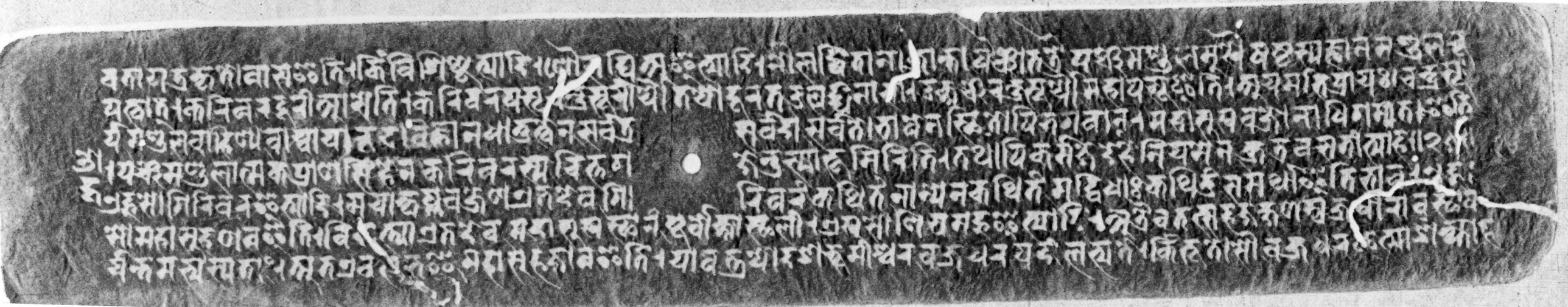

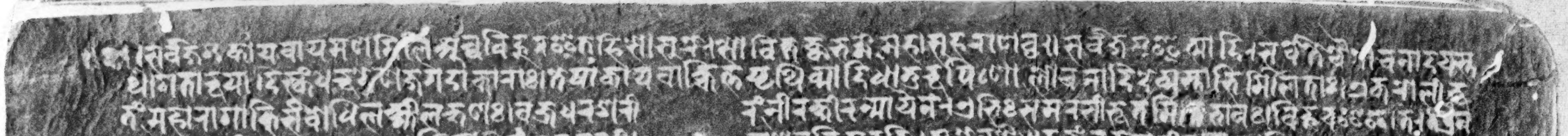

स्याल समाडा ख म न निकुनि ला र गोविश्वाय मा वे [illegible] तीर्थु ः भव नीया सका ला रु नस ते ः भ विल या ज व र्व ः अ मा ङ्क ना [illegible] व्र वुं खा [illegible] नि ला वि
व यी ला र हृ व स म र्द्ध वा मा दी ध्याथि काध्य द्द जि ल मा रा सं याथि नां व सेथा गा फ्र ता प्र न स्या रु न व या मा ल र्व न या जि नो म ध्र [illegible] प्रश
ड। नक लिम्ब ध ः ष्ट्र य स्मा य म थे ः। ली नव न्मा न शा या वि विलस म न ना त्म [illegible] भ से व व न क्रिष्ठ थान ः तिव त या [illegible] नक
उ मु वर्ष्व कं न तन प्र न डा ग कं स वं भ व क्रिय न ः मि न थो स ध्रो स मा रु। न मक्र रु था। न न था न श भ। न मा थु लं य न च म थु ल
ड। स मे त्र शाय ः स न य ः त शा म ः स्तु मा थु ली वे लम ्षु ल वं वा लि कृ घ य हि ः नि स वे य न या ला [illegible] व ष नी ल्का न दि नो [illegible]
महाम मृ डा न त्र शृ हि लाँ सि व न म [illegible] जि न न लीय म न ता वा किय ध ः व ल या दि न ला न कि य ध व [illegible] ः य धा का नाा मि सि धा नि न [illegible] का सा वे
गा य श्र र ना भ [illegible] न म [illegible] ल्ली सं ल्छ मि म व जि य न ः नि ल था वा दि ह छ क मे मृ डा स मा य ल्या [illegible] न मृ ङ्ग या स [illegible] मि सा म ड

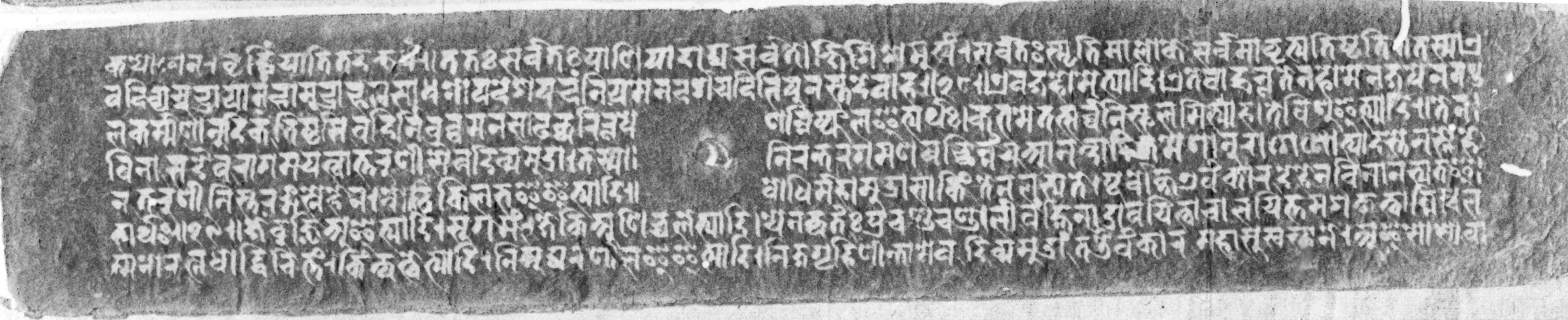

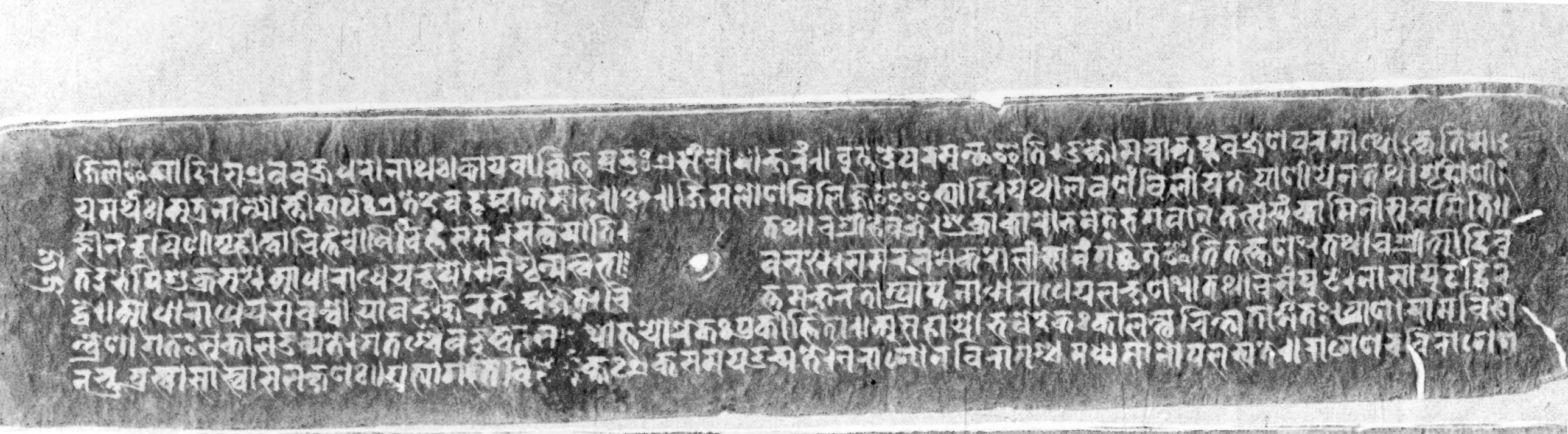

संगविजितोऽयं ग्रामाग्रचिन्तकः राजकार्यमुपयाति चिरं नासिकानेत्रविकारविनिर्मुक्तो गर्वव्यापारविकलेन्द्रियप्रायो
वेषाकृत्यादिभिरयुक्तानेतस्मिन्नित्यप्रमत्तमुखः क्रियाहेतवो नाचेष्टयंश्चिरात्निजगुणसमाधिक्रियासमर्थोऽपि
मूकजडमोहजडवन्निर्व्यापारोऽप्रतिबुद्धसमाधिकः कामव्यसनगुरुकर्मतत्त्वावलम्बी चाश्रयन्नयं यथा किंचनकानुगोऽहंकृतो
नाथदक्षिणकृतं वचनमयं कर्तव्यविरहितो मूकबधिरजडवदुपलभ्यते टंकोत्कीर्णवीक्षणादिभिर्नानाकथाप्रतिपत्तिस्थानमानसूत्रानकाश्रयत्वमेव
दयानाम्नि विकृतास्थानाश्चर्यनारकनारदनारदेन हरिश्मश्रुनवोहितः प्रणतिवैक्लव्यकाया नातेऽहमयमग्रहदिष्टयैव यंकाय
शिवचरणरंहिकथाप्रकाशकयतेरनुग्रहीतवत्यस्मि जन्मान्तरवाप्तनवकथिकश्रमाऽहमस्य दर्शनाद्यावत्कालं

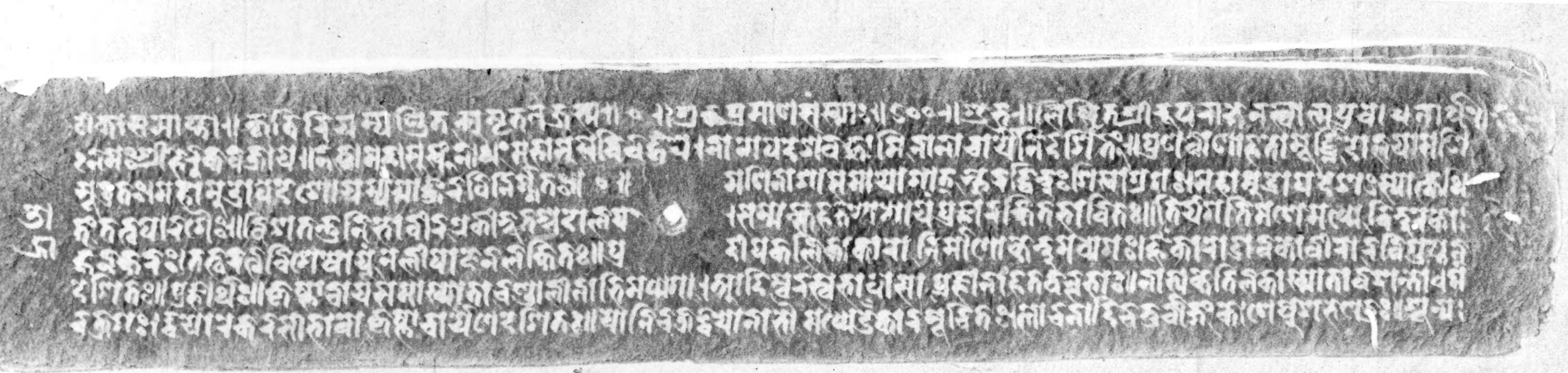
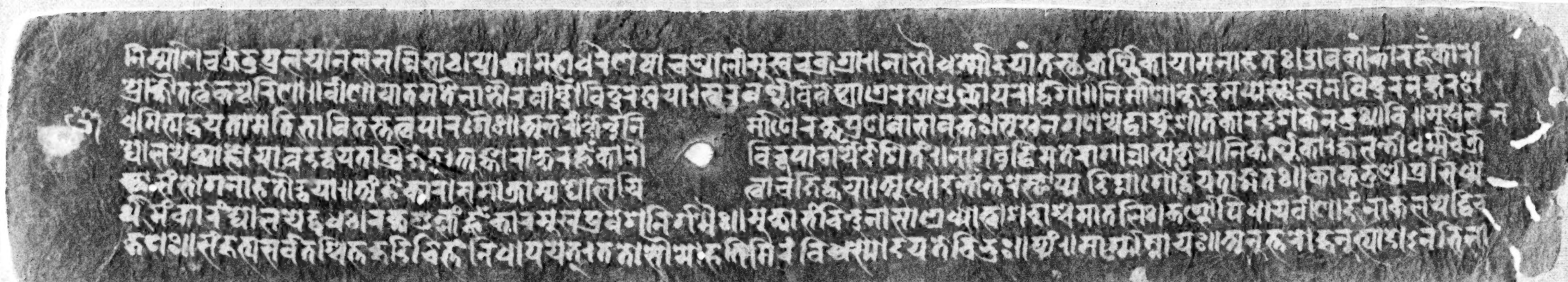
संगविनिर्मुक्तः यदं [illegible] नाति [illegible] रूपवैन [illegible] निकां [illegible] विना [illegible]
[illegible] यानल [illegible] मला [illegible] वाः [illegible] नाव [illegible] तिन [illegible] यावनथ
[illegible] वीजवः मराशाका [illegible] तावनावल [illegible] कानु [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]